'सेंट्रल स्पाइन' की अरबों की जमीन की फाइल जुलाई में गायब, अक्टूबर में भू-कारोबारी को दे दिया पट्टा

कोर्ट के स्टे के बावजूद अवाप्तशुदा कॉलोनी के निवासियों का कब्जा हटाया, प्रभावितों ने किया जे.डी.ए. में हंगामा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण में जगतपुरा की 'सेंट्रल स्पाइन' योजना की अवाप्तशुदा जमीन पर बसी कॉलोनी का भू-कारोबारी को पट्टा जारी करने में बड़ी धांधली सामने आई है। जे.डी.ए. ने फाइल गायब होने के दौरान चुनाव आचार संहिता लागू होने के 3 दिन बाद पट्टा जारी कर दिया। पट्टा भी खातेदारों की बजाय भू-कारोबारी गोविन्द खंडेलवाल के नाम पर जारी किया गया है, जबकि पट्टे पर फोटो खातेदारों की लगाई हुई है।

जेडीए ने इस अवाप्तशुदा जमीन पर स्टे के बावजूद पिछले दिनों कॉलोनी वासियों का कब्जा अवैध मानते हुए हटा दिया। शुक्रवार को कॉलोनी के लोगों ने जेडीए मुख्यालय पहुंचकर इस कार्रवाई के विरोध में हंगामा कर दिया। जे.डी.ए. कमिश्नर आनंदी की व्यस्तता के चलते पीड़ित लोगों ने जोन उपायुक्त को गड़बड़ी से अवगत कराया। अतिरिक्त आयुक्त प्रिया बलराम शर्मा ने भी तुरंत जोन उपायुक्त तारामति को फोन कर जोन उपायुक्त से कहा, काफी लोग आए है, इनके आरोपों को सुनकर जांच करें।

- **धांधली इस कदर हुई कि, जे.डी.ए. ने इस जमीन का पट्टा खातेदारों की बजाय भू-कारोबारी गोविन्द खंडेलवाल के नाम पर जारी किया, परंतु पट्टे पर फोटो खातेदारों की लगाई हुई है।**
- **जोन उपायुक्त तारामती वैष्णव का कहना है कि, मुझे नहीं पता गुम हुई वापस फाइल कैसे आई? इसे वापस कौन लाया? यह जांच का विषय है, इसकी जांच कराएंगे।**

सेंट्रल स्पाइन योजना में जे.डी.ए. द्वारा तोड़फोड़ किए जाने के विरोध में शुक्रवार को स्थानीय कॉलोनीवासियों ने जे.डी.ए. मुख्यालय पहुंचकर विरोध जताया।

सूत्रों की मानें तो 'सेंट्रल स्पाइन' योजना की जमीन को लेकर विभिन्न न्यायालय में केस लंबित है। जेडीए ने मुआवजे की मूल पत्रावली गुम होने की एफआईआर जुलाई 2023 में जारी की गई थी। सेट्रल स्पाइन योजना में श्री महावीर स्वामी गृह निर्माण सहकारी समिति ने 1987 में शांति विहार के नाम से आवासीय स्कीम सृजित कर रखी थी। इस जमीन को जेडीए ने अप्रैरेल पार्क के लिए अवाप्त किया था। बाद में यह योजना निरस्त होने के बाद जेडीए को यह जमीन रीको से हुए एमओयू के माध्यम से मिली है। रीको को यह भूमि दिनांक 6-12-2000 तथा 15-12-2000 को जारी किए गए अवार्ड के आधार पर मिली है। इस अवार्ड के आपतियों के निस्तारण के बिंदु संख्या 9 के अनुसार उपरोक्त खसरा नंबरों की भूमि 6.44 हेक्टर भूमि का मुआवजा विवादित मानते हुए न्यायालय में जमा करने का निर्णय दिया हुआ है। इसके बावजूद जेडीए ने अवार्ड का उल्लंघन करते हुए 6 अक्टूबर 2023 को विधानसभा चुनाव की आचार संहिता से तीन दिन पहले आनन-फानन में मुख्यतारनामा के आधार पर भू-कारोबारी गोविन्द खंडेलवाल को जारी कर दिए।

कोर्ट का यथास्थिति का आदेश भी नहीं माना

बताया जा रहा है कि पट्टे जारी करने में कोर्ट का यथास्थिति आदेश भी जेडीए ने नहीं माना। मैसर्स सीटेक बनाम नानगराम सिविल दावा नंबर 32/2020 में रिकॉर्ड की यथा: स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया हुआ है। इस आदेश का उल्लंघन करते हुए पट्टे जारी किए गए हैं। कालोनी के निवासियों का कहना है कि जेडीए के अधिकारी कर्मचारियों से मिलकर जिस प्रकार उपरोक्त भूमि के 1/2 के खातेदारों ने मुआवजा प्राप्त करने के लिए झूठा शपथ पत्र पेश कर पत्रावली जेडीए में प्रस्तुत की है उसके विरोध में हमारी विकास समिति ने पुलिस थाना रामनगरिया में रिपोर्ट दर्ज करवाई हुई है जिसकी जांच जारी है। शेष 1/2 भूमि के हिस्सेदार खातेदार नानक राम ने भी पहले इसी प्रकार का प्रयास किया था इसके खिलाफ पुलिस थाना प्रताप नगर में नंबर 1060/2019 दर्ज करवाई थी जिसमें नानकराम को दोषी पाए जाने धारा 420 के अंतर्गत पर जेल भेजा गया था।

पहले फाइल गायब, फिर जारी हुआ पट्टा

इस मामले की जानकारी होने पर शांति विहार कॉलोनी के निवासी बड़ी संख्या में शुक्रवार को जेडीए मुख्यालय पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। बाद में महिलाएं व पुरुष जोन कार्यालय पहुंचे और पूरे मामले से अवगत कराया। जेडीए में पट्टा जारी करने में भी बड़ी धांधली होना सामने आया है। पहले इस योजना की फाइल जुलाई-2023 में गायब हो गई। उसके बाद अक्टूबर-2023 में फाइल मिल भी गई और जेडीए ने आनन-फानन में अरबों रुपए की इस जमीन के 18 पट्टे जारी कर दिए। लोगों ने कहा कि, पहले फाइल गायब हुई और मूल पत्रावली जोन कार्यालय में कैसे और कब आई?। जेडीए ने स्थानीय निवासियों की कोई सुनवाई नहीं की। एक साल बाद अब जेडीए ने इन 18 पट्टो हाल ही में ऑनलाइन अपलोड कर दिया है।

मुझे नहीं पता फाइल कैसे आई, जांच करेंगे

इसके जवाब में जोन उपायुक्त-9 तारामती वैष्णव ने कहा, मुझे नहीं पता फाइल कैसे आई? फाइल गुम होने के बाद वापस कौन लाया? यह जांच का विषय है। इस संबंध में ज्यादा जानकारी जेडीसी दे सकती है। आप उन्हीं से बात करें।

सार-समाचार

महापौर कुसुम यादव का सम्मान किया

जयपुर। हैरिटेज निगम की महापौर कुसुम यादव का गुरुवार को ख्वासजी का रास्ता स्थित नील कंठ महादेव मंदिर में सम्मान किया गया। नील कंठ सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन और अन्नकूट महोत्सव में महापौर का माला और दुप्पटा पहना कर सम्मानित किया गया। इस दौरान महापौर कुसुम यादव ने क्षेत्र की समस्याओं के जल्द निस्तारण की बात कही। उन्होंने कहा कि जयपुर मेरा अपना घर है। यहां की हर एक गली मोहल्ले से मेरा पुराना रिश्ता है। शहर के संपूर्ण विकास के लिए सदैव तैयार रहूंगी। इस अवसर पर पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन अजय यादव समिति के नवरत्न सैनी, अशोक पांडे, संतोष फूलवाला, दिनेश गुर्जर, रिंकू गुर्जर रितेश टांक दीपक गुर्जर विष्णु मीणा सहित नीलकंठ सेवा समिति के सदस्य मौजूद रहे।

जलदायकर्मियों ने ली इंटक की सदस्यता

जयपुर। प्रांतीय नल मजदूर यूनियन इंटक की ओर से शुक्रवार को तिलक नगर जिला कार्यालय में आम सभा आयोजित हुई। जिसमे संगठन के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत, प्रदेश उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत, जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी, वृत दक्षिण अध्यक्ष मोहनलाल पालीवाल के नेतृत्व में सैकड़ों जलदाय कर्मचारियों ने यूनियन की सदस्यता ग्रहण की। इनमें कर्मचारी नेता विमलेश पारीक, सुरेश सैनी, इंद्रसिंह शेखावत, रामनिवास सैनी, विष्णु मीणा, नरेंद्र सिंह, बिरदी चंद सहित सैकड़ों कर्मचारी शामिल थे। इस मौके पर शामिल कर्मचारियों ने इंटक को मजबूत करने का प्रण लिया और जलदाय विभाग में नई भर्ती करने की मांग की गई। इस पर प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह ने आश्वस्त किया कि विभाग में तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करवाने की मांग को मंत्री कन्हैयालाल और विभागीय उच्चाधिकारियों के समक्ष प्राथमिकता से रखा जायेगा।

रामनिवास बाग पार्किंग का निरीक्षण

जयपुर। रामनिवास बाग स्थित अण्डरग्राउण्ड पार्किंग फेज दो का शुक्रवार को हेरिटेज निगम और जयपुर स्मार्ट सिटी के अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इस दौरान निगम अधिकारियों ने पार्किंग का मौका मुआयना कर वस्तुस्थिति का आंकलन किया। इस दौरान हेरिटेज निगम की राजस्व उपायुक्त निधि सिंह ने स्मार्ट सिटी के इंजीनियरों से पार्किंग के संबंध में जानकारी ली। साथ ही पार्किंग के संचालन व रखरखाव में आने वाली कुछ समस्याओं को लेकर निर्देश भी दिए। उपायुक्त निधि सिंह ने बताया कि परकोटे में यातायात के दबाव को कम करने और बाजार में खरीदारी करने आने वाले लोगों की सुविधा के लिए राम निवास बाग में भूमिगत पार्किंग का निर्माण जयपुर स्मार्ट सिटी ने किया है। भुमिगत पार्किंग का निर्माण पूरा हो चुका है। आज इसका मौका निरीक्षण कर इंजीनियर विंग को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए है। जल्द ही हेरिटेज निगम इसे आमजन के लिए शुरू कर दिया जाएगा। इस दौरान जयपुर स्मार्ट सिटी के एक्सईएन अमित गुप्ता, निगम के राजस्व अधिकारी देवानन्द शर्मा, निगम एक्सईएन सुबोध कुमार आदि अधिकारी मौजूद रहे।

अंताक्षरी प्रतियोगिता में पार्षद विजेता

जयपुर। जयपुर स्थापना दिवस की 297वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में नगर निगम हैरिटेज की ओर से पार्षद और अधिकारियों के बीच अंताक्षरी प्रतियोगिता रखी गई। कई दौर में हुई प्रतियोगिता में दो टीम बनाई गई। पार्षदों की टीम का नाम छबीले और अधिकारियों की टीम का नाम रंगीले रखा गया। कार्यक्रम में महापौर कुसुम यादव और आयुक्त अरुण कुमार हसीजा ने भी भाग लेकर टीम का हौसला अफजाई किया। जिसमें दोनों ही ओर से गाने गाए गए। अंत में पार्षदों की टीम ने बाजी मारी और जजेज ने पार्षदों की टीम को विजेता घोषित किया। वहीं बेस्ट प्रतिभागियों को भी महापौर कुसुम यादव और आयुक्त अरुण हसीजा ने सम्मानित किया। इस संबंध में महापौर कुसुम यादव ने बताया कि हैरिटेज नगर निगम की ओर से जयपुर शहर के स्थापना के अवसर पर 18 अक्टूबर से एक महीने तक लगातार आयोजन किए जा रहे है। इसी कड़ी में ये कार्यक्रम रखा गया। जिसमें सभी पार्षद और निगम अधिकारियों ने मिलजुल कर भाग लिया।

रोडवेज मुख्य प्रबंधक को नोटिस जारी

जयपुर। रोडवेज अध्यक्ष शुभ्रा सिंह एवं प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा के निर्देशन में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बेहतरी के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और लापरवाह कार्मिकों पर सख्त एक्शन भी लिए जा रहे है। ऐसा ही एक कदम उठाते हुए रोडवेज प्रबंधन ने वैशाली नगर आगार की मुख्य प्रबंधक को वाहन निरीक्षण के दौरान वीडियोग्राफी नहीं करवाए जाने की लापरवाही का दोषी पाए जाने पर नोटिस दिया है। प्रबंधक निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि वैशाली नगर डिपो की मुख्य प्रबंधक विन्तेश मीणा ने गत 6 नवंबर को सरवाड़ से जयपुर मार्ग पर जा रही बस के निरीक्षण के दौरान परिचालक पर 80 किलोग्राम लगेज का रिमार्क अंकित किया था। परिचालक हनुमान चौधरी ने मुख्य प्रबंधक के विरुद्ध गलत रिमार्क लगाए जाने की शिकायत दर्ज की थी। शिकायत दर्ज होने पर मुख्य प्रबंधक से जब वाहन निरीक्षण के दौरान की गई वीडियोग्राफी दिखाने के लिए कहा गया तो डिपो प्रबंधक ने वीडियोग्राफी नहीं करना बताया, जबकि पिछले दिनों रोडवेज प्रबंधन द्वारा जारी एक महत्वपूर्ण आदेश के अनुसार वाहन निरीक्षण के दौरान निरीक्षण दल के वाहन में प्रवेश से लेकर वाहन निरीक्षण पूर्ण होने तक संपूर्ण कार्यवाही की वीडियोग्राफी कराया जाना आवश्यक है। शर्मा ने बताया कि मुख्य प्रबंधक द्वारा वीडियोग्राफी नहीं कराया जाना उनके कर्तव्यों के प्रति शिथिलता और लापरवाही मान कर अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए राजकीय नियम 16 के तहत नोटिस दिया गया है। विन्तेश मीणा को अपना जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

केट काटकर दी जन्मदिन की बधाई

जयपुर। टीम 39 'जहां चाह वहां राह' जन कल्याण ट्रस्ट व पानीपेच रोड व्यापार मंडल समिति के संस्थापक अध्यक्ष विष्णु बियानी का जन्मदिन बड़े धूमधाम से 20 दुकान, नेहरू नगर, पानीपेच प्रधान कार्यालय पर मनाया गया। मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष राम प्रकाश शर्मा, महासचिव मुकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ताराचंद गोयल, नेहरू नगर विकास समिति के अध्यक्ष संजीव सरोलिया, महासचिव कौशल, पानीपेच व्यापार संघ के कोषाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, श्री चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र खंडेलवाल, अतुल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, रईस खान, नीरज सैन समेत कई लोगों ने माला व दुपट्टा पहनाकर, केक कटवा कर, तलवार भेंट की।

डंपर ने तीन युवकों को बुरी तरह कुचला

- **टायर के नीचे आने से तीनों युवकों की मौके पर ही मौत**
- **सड़क पर बिखर गए मांस के लोथड़े, बेटे का शव देख बेहोश हुई मां**

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के हरमाड़ा इलाके में बेकाबू डंपर ने बाइक सवार तीन युवकों को कुचल दिया। टायर के नीचे आने से तीनों युवकों की मौके पर भयावह मौत हो गयी। टक्कर के बाद तीनों युवक डंपर के टायर के नीचे आ गए। एक युवक का सिर फट गया और मांस के लोथड़े सड़क पर गिर गए। सड़क पर खून ही खून फैल गया।

हरमाड़ा इलाके में न्यू लोहा मंडी रोड माचड़ा में इस हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक डंपर बजरी को खाली कर कांटे पर जा रहा था। इसी दौरान सामने से तेज रफ्तार बाइक आई। डंपर और बाइक में आमने-सामने से टक्कर हो गई। तीनों युवक डंपर के टायरों के नीचे आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों की सूचना पर 108 मौके पर आई। पुलिस ने बताया कि हादसे में दौसा के महवा के रहने वाले सुरेंद्र (21) पुत्र रवि कुमार, जयपुर के जोरावर नगर में रहने वाले दिनेश (22) पुत्र सुरेंद्र कुमार और मुरलीपुरा के रहने वाले कन्हैया (18) पुत्र रूपनारायण बैरवा की मौत हो गई है। सुरेंद्र भी फिलहाल जयपुर के जोरावर नगर में रह रहा था। तीनों युवक मजदूरी का काम करते थे। घटना के बाद डंपर ड्राइवर मौके से भाग निकला। डंपर को मौके से जब्त कर लिया है। तीनों शवों के पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए।

मृतक सुरेंद्र परिवार में अकेला कमाने वाला था। सुरेंद्र का शव देखकर मां और बहन अस्पताल में ही बेहोश हो गई। परिवार के अन्य सदस्यों ने उन्हें संभाला।

पट्टा लेना 8 गुना महंगा करना जनविरोधी कदम : खंडेलवाल

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव व जयपुर नगर निगम में पूर्व नेता प्रतिपक्ष गिरिराज खंडेलवाल ने राज्य सरकार के इस निर्णय की कड़ी आलोचना की है, जिसमें सरकार ने प्रदेश के शहरों में पुरानी आबादी की भूमि का पट्टा लेना अब महंगा कर दिया है।

खंडेलवाल ने कहा है कि सरकार का यह निर्णय जन विरोधी है, जिसमें अब भूमि धारक को शहरी निकाय से पट्टा लेने के लिए करीब 8 गुना ज्यादा राशि देनी पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि फ्री होल्ड पट्टे के लिए 200 रुपए प्रति वर्गमीटर शुल्क तय किया गया है। जबकि, इससे पहले मात्र 25 रुपए प्रति वर्गमीटर दर पर ही शुल्क था। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में "प्रशासन शहरों के संग" अभियान में दी गई छूट के तहत 501 रुपए में पट्टा दिया गया था। खंडेलवाल ने मांग की है कि नई शुल्क को लेकर स्वायत्त शासन विभाग ने जो अधिसूचना जारी कर दी है, उसे सरकार जनहित में वापस ले। जनता को अब 100 वर्गमीटर भूखंड के पट्टे के लिए 2500 की जगह अब 20 हजार रुपए देने होंगे। यह आम जनता के

साथ अन्याय है। गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने निकायों में नियुक्त अधिकारियों के अधिकारों में भी कटौती की है, जो कि अनुचित है। पहले अफसर 500 वर्गमीटर तक की जमीन का पट्टा अपने स्तर पर जारी कर सकते थे। जबकि, 501 से लेकर 5 हजार वर्गमीटर तक की जमीन का पट्टा देने का निर्णय संबंधित निकाय के बोर्ड के स्तर पर जारी किया जाता था। वहीं, सरकार के पास 5 हजार वर्गमीटर से ज्यादा जमीन का पट्टा जारी करने के लिए फाइल भेजी जाती थी।

34 टीमों ने 100 चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल और चिकित्सा मंत्री के निर्देशन में राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में स्टेट रिव्यू मिशन के तहत शुक्रवार को जयपुर जिले के चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण किया गया। राज्य स्तर से गठित 34 टीमों ने जयपुर जिले के 100 से अधिक चिकित्सा संस्थानों का सघन निरीक्षण किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि प्रदेशभर में मिशन मोड में स्वास्थ्य सेवाओं का उन्नयन किया जा रहा है, ताकि लोगों को चिकित्सा संस्थानों पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुगमता से मिले। इसी कड़ी में शुक्रवार को मुख्यालय से 34 चिकित्सकों एवं अन्य कार्मिकों की टीमें गठित कर जयपुर जिले के विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण करने के लिए भेजा गया।

राठौड़ ने बताया कि इन टीमों ने सांभरलेक, जोबनेर, चाकसू, माधोराजपुरा, बस्सी एवं सांगानेर ब्लॉक के 104 चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया। इसमें जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र, जनता क्लिनिक सहित अन्य संस्थान शामिल हैं। टीमों ने इन संस्थानों में कार्मिकों की उपस्थिति, भवन एवं साफ-साफ की स्थिति, ओपीडी एवं आईपीडी में रोगियों की संख्या, दवाओं की उपलब्धता, जांचों की संख्या, अक्रियाशील उपकरण, इंस्टॉल नहीं हुई जांच मशीनों, आरएमआरएस में उपलब्ध फण्ड, अनुपयोगी वस्तुओं की नीलामी, संस्थागत प्रसव, नसबंदी, टीकाकरण सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की स्थिति एवं प्रगति के बारे में बिंदुवार निरीक्षण किया। टीमों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। साथ ही, जिन चिकित्सा संस्थानों में खामियां पाई गई हैं, वहां संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

पर्यटन शासन सचिव रवि जैन ने मिलीं फ्रांस की पर्यटक व लेखिका ऐनी सोरेल

सोरेल ने अपनी ट्रेवल गाइड बुक "राजस्थान" की प्रति भी रवि जैन को भेंट की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में जो आता है वो यहां के रंगों में रंग जाता है। ऐसा ही फ्रांस से जुलाई 1974 में राजस्थान भ्रमण को आई पर्यटक, लेखिका और फोटोग्राफर ऐनी सोरेल के साथ भी हुआ।

शासन सचिव पर्यटन रवि जैन से मुलाकात कर फ्रांस की पर्यटक, लेखिका और फोटोग्राफर ऐनी सोरेल ने शुक्रवार को जयपुर स्थित राजस्थान पर्यटन भवन में उनसे मिलकर अपनी राजस्थान पर्यटन अनुभव आधारित छायाचित्रों को समाहित किये हुए फ्रेंच ट्रेवल गाइड बुक "राजस्थान" भेंट की। साथ ही सोरेल ने राजस्थान में अपनी यात्रा के 50 वर्ष पूर्ण होने उपलक्ष में 27 नवम्बर को जयपुर में ऐनी द्वारा आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शासन सचिव पर्यटन रवि जैन, पर्यटन आयुक्त विजयपाल सिंह को आमंत्रित किया। इस अवसर संयुक्त निदेशक (पर्यटन विकास) राजेश शर्मा और संयुक्त निदेशक (मेले-त्यौहार) पुनीता सिंह भी उपस्थित रहीं।

शासन सचिव पर्यटन रवि जैन ने हमें खुशी है कि श्रीमती ऐनी सोरेल की आधी शताब्दी से राजस्थान भ्रमण करते हुए अपने छायाचित्रों और फ्रेंच ट्रेवल गाइड बुक "राजस्थान" के माध्यम से राजस्थान को फ्रांस में प्रचारित करने की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि फ्रेंच भाषा की ट्रेवल गाइड "राजस्थान" निश्चित ही राजस्थान पर्यटन को वैश्विक स्तर पर विशेषकर फ्रेंच भाषी पर्यटकों को राजस्थान के प्रति उत्सुकता पैदा कर उन्हें राजस्थान पर्यटन से निकटता से परिचय कराती है।

फ्रांस की पर्यटक, लेखिका और फोटोग्राफर ऐनी सोरेल ने शुक्रवार को जयपुर में पर्यटन शासन सचिव रवि जैन से मुलाकात कर अपनी राजस्थान पर्यटन अनुभव आधारित यात्रा की पुस्तक भेंट की।

ऐनी सोरेल ने बताया कि उनकी किताब का यह आठवां संस्करण है। इससे पहले उन्होंने राजस्थान पर्यटन आधारित इस किताब के सात संस्करण प्रकाशित किए हैं। हर बार उन्होंने किताब को नये रूप में लिखा है।

ऐनी ने इस फ्रेंच भाषा की ट्रेवल गाइड "राजस्थान" में राजस्थान पर्यटन स्थलों, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों, लोकजीवन, कला, संस्कृति के छायाचित्रों को प्रदर्शित किया है और यहां के अपने 50 वर्षों के अनुभव को उल्लेखित किया है। उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विविधता, ऐतिहासिक गौरव को पृष्ठभूमि सहित ट्रेवल गाइड में उल्लेखित किया है। सोरेल ने राजस्थान के लोक संस्कृति और दैनिक जन जीवन, यहां की धार्मिक मान्यताओं, मेलों व उत्सवों का विस्तृत उल्लेख किया है।

यहां के लोगों का जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिया, तीज त्यौहारों पर उत्साह और उमंग का ट्रेवल गाइड में उल्लेख किया गया है। उन्होंने ट्रेवल गाइड में राजस्थान के रंगों से परिपूर्ण पहनावें, विविध खान-पान, कर्णप्रिय लोक संगीत, गौरव शाली इतिहास, विषम भूगोल, समरस सामाजिक जीवन और आत्मीय लोक व्यवहार सहित को "अतिथि देवों भव" भाव को उल्लेखित किया है। ऐनी ने पिछले 50 वर्षों में अपनी यात्रा के दौरान समूचे राजस्थान का भ्रमण किया है। उन्होंने यहां के पर्यटक स्थलों तथा आंतरिक स्थानों जैसे गांव ढाणीयों को बहुत नजदीक से देखा और अनुभव किया है। जिसका उन्होंने उक्त ट्रेवल गाइड में उल्लेख किया है और उसे छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्षित किया है।

उन्होंने किताब में जयपुर के कानोता म्यूजियम, जयगढ़, आमेर, जंतर मंतर, हवा महल, सिटी पैलेस विशेष उल्लेख किया। ऐनी सोरेल ने अपनी किताब के बारे में बताया कि मैंने किताब में राजस्थान को अपनी दृष्टि से वर्णित किया है, मैंने जयपुर को जैसे देखा और जैसे देखना चाहती हूँ उस भाव को उल्लेखित किया है। उन्होंने बताया कि मैंने जयपुर में कानोता म्यूजियम, जयगढ़, आमेर, जंतर मंतर, हवा महल, सिटी पैलेस और सभी पर्यटन स्थलों के साथ बहुत से विषयों को गहराई से देखा हैं, जिनका किताब में उल्लेख किया है।

ऐनी सोरेल ने बताया कि "मैं जब राजस्थान को देखती हूँ तो जल्दी में नहीं होती हूं, मैं राजस्थान को गहराई से देखने में अपना समय लगाती हूँ। मैं राजस्थान की आत्मा को अनुभव करती हूँ।

मुख्यमंत्री भजनलाल की शर्मा किसानों को सौगात

- **राजस्थान में 132 केवी या उससे ज्यादा क्षमता की नवीन ट्रान्समिशन लाइन निर्माण में पथाधिकार के लिए किसानों को दी जाने वाली भूमि मुआवजे की नीति मंजूर**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में 132 केवी या उससे ज्यादा क्षमता की नवीन ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण पर पथाधिकार से प्रभावित भूमि के लिए किसानों को दी जाने वाले मुआवजे की नीति को स्वीकृति प्रदान की है। ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण पर मुख्यमंत्री ने किसानों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुये किसानों को पूर्ण मुआवजा नहीं मिलने की बरसों पुरानी मांग को स्वीकार किया, जिससे भविष्य में किसानों को ट्रान्समिशन लाइनों के पथाधिकार एवं टावर क्षेत्र में उपयोग मे आने वाली भूमि का समुचित मुआवजा मिल सकेगा एवं मुआवजे देने की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि ये नीति 8 नवम्बर 2024 से लागू हो गयी है, इससे किसानों को बड़े पैमाने पर लाभ प्राप्त होगा। जिससे किसानों के खेत में ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण पर होने वाले नुकसान की समुचित भरपाई हो सकेगी तथा प्रदेश में ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण कार्य तीव्र गति से हो संपादित हो सकेगे।

ट्रांसमिशन लाइन में पथाधिकार क्या है?

पथाधिकार भूमि की एक पट्टी है, जहाँ ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण, स्थापना, संचालन और रखरखाव किया जाता है। ट्रांसमिशन लाइन पथाधिकार का केंद्र है। पथाधिकार उन सभी पेड़ों, संरचनाओं और निर्माण को हटाता है जो बिजली लाइनों में बाधा डालते हैं।" उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट/जिलाधीश या सब डिवीजन अधिकारी द्वारा मुआवजे की राशि का निर्धारण किया जायेगा। मुआवजा उस क्षेत्र की डीएलसी दर पर दिया जायेगा। इस नीति के तहत टावर क्षेत्र के साथ चारों तरफ एक मीटर तक अतिरिक्त क्षेत्रफल की गणना कर डीएलसी दर का दुगुना तथा ट्रांसमिशन लाईन पथाधिकार गलियारे के पेटे डीएलसी की 30 प्रतिशत की दर से मुआवजा दिये जाने का प्रावधान किया गया है। ये पॉलिसी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, भारत सरकार, राज्य सरकार और सभी निजी कम्पनियों पर लागू होगी, जो कि 132 केवी ट्रान्समिशन लाइन व उससे अधिक क्षमता की ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण में संलग्न है।